

प्रेषक,

अतर सिंह,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून, दिनांक, 4 मार्च, 2013

विषय: प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पैठाणी, जनपद पौड़ी गढ़वाल के भवन निर्माण हेतु अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश सं0-3050/XXVIII-5-2008-145/2008, दिनांक 20.02.2009 एवं आपके पत्र सं0-7प/1/26/2008/25535, दिनांक 17.07.2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पैठाणी, जनपद पौड़ी गढ़वाल के निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण किये जाने हेतु स्वीकृत लागत ₹69.83 लाख के विरुद्ध पूर्व में अवमुक्त धनराशि ₹50.00 लाख के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2012-13 में अवशेष सम्पूर्ण धनराशि ₹19.83 लाख (रुपये उन्नीस लाख तिरासी हजार मात्र) अवमुक्त करते हुए, निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि आहरित कर अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा प्रखण्ड पौड़ी गढ़वाल को उपलब्ध करायी जायेगी तथा योजना को स्वीकृत लागत में ही पूर्ण करते हुए शीघ्र भवन विभाग को हस्तगत करा दिया जायेगा तथा किसी भी विलम्ब की दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- 2- कार्यदायी संस्था को धनराशि अवमुक्त किये जाने से पूर्व इस आशय का प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया जाय कि अवमुक्त धनराशि में ही कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। कार्य की निरन्तर समीक्षा करते हुए निर्धारित समयावधि में ही कार्य पूर्ण कराया जाय। अन्यथा की स्थिति में कार्यदायी संस्था एवं संबंधित अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 3- अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
- 4- स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय वित्त विभाग के शासनादेश सं0-193/XXVII(1)/2012, दिनांक 30.03.2012 एवं शासनादेश सं0-183/XXVII(1)/2012, दिनांक 28.03.2012 में इंगित निर्देशों एवं उपरोक्त उल्लिखित शासनादेश में इंगित प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा।
- 5- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं0-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 6- कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।
- 7- कार्यदायी संस्था से वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.08 द्वारा निर्धारित प्रारूप पर एम0ओ0यू0 करना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 8- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय आय-व्यय वर्ष 2012-13 के अनुदान सं0-12 लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय, 02 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें, 103-प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 03-प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का निर्माण, 00- आयोजनागत-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

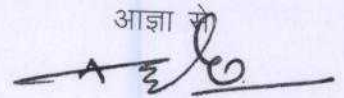
- 9- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-231(P)/XXVII(3)/2012-13, दिनांक 01 मार्च, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(अतर सिंह)
उप सचिव।

संख्या- 141 (1)/XXVIII-5-2013-145/2012 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबेरॉय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- 3- जिलाधिकारी/मुख्य चिकित्साधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 4- मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/पौड़ी गढ़वाल।
- 5- अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा प्रखण्ड, पौड़ी गढ़वाल।
- 6- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
- 7- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
- 8- मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(अतर सिंह)
उप सचिव।